



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 241] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 24, 1991/कार्तिक 2, 1913
No. 241] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 24, 1991 KARTIKA 2, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय
(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 236-आईटीसी (पीएन)/90-91

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1991

विषय :— 100 मिलियन स्विस फ्रैंक की स्विस मिश्रित
वित्त सहायता, 1991 के अंतर्गत आयात के
लिए लाइसेंसिंग शर्तों के सम्बन्ध में।

फाइल सं. आईपीसी/23/85/90-93 :— 100 मिलियन
स्विस फ्रैंक की स्विस मिश्रित वित्त सहायता के अंतर्गत
आयात को अधिशासित करने वाली इस सार्वजनिक सूचना के
परिशिष्ट में सन्निहित हैं और सूचना के लिए अधिसूचित
की जाती है।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 236-
आईटीसी (पीएन)/90-93, दिनांक 24-10-91 का
परिशिष्ट

100 मिलियन स्विस फ्रैंक की स्विस मिश्रित वित्तीय
सहायता, 1991 के अंतर्गत आयात लाइसेंसिंग के लिए शर्तें।

स्विस मिश्रित वित्तीय सहायता, 1991 के अंतर्गत जारी
आयात लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे :

1. आयात लाइसेंस लागू बोझ भाड़ा मूल्य आधार
पर संविदा करने के लिए चार महीने की एक गुरुआती
वैध अवधि के साथ जारी किए जाएंगे और उनको पोत-
लदान और भुगतान पूरा करने के लिए सामान्यतः 12 महीने
का समय मिलेगा। तथापि 18 महीने तक को अपेक्षाकृत अधिक
लम्बी गुरुआती अवधि के लिए आयात लाइसेंसों को पोत-
लदान और भुगतान के लिए जारी करने के लिए भी गुण-दोष के
आधार पर विचार किया जाएगा यदि आयातक इस स्थिति

में है कि वह आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करते समय अपेक्षाकृत लम्बी वैध अवधि के लिए आयात लाइसेंस की जरूरत स्थापित करने हेतु उपयुक्त दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर सके। पोतलदान पूरा करने के लिए आयात लाइसेंसों को परवर्ती पुनःवैधीकरण नीचे पैरा 25 में दी गई शर्तों के अनुसार नियमित किया जाएगा।

2. प्रत्येक आयात लाइसेंस का शीर्षक होगा “स्विस-मिश्रित वित्तीय सहायता, 1991” लाइसेंस कोड वर्गीकरण संख्या में बाद में “आर/एस जेड” जोड़ा जाएगा।

3. आयात लाइसेंस के प्राप्त होने के एक पखवाड़े के भीतर आयातक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-3, अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को आयात लाइसेंस की प्राप्ति के तथ्य और वह संभावित तिथि जिस तक संविदा के दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने हैं, की सूचना देगा। आयात लाइसेंस की एक फोटोस्टेट प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-3, अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को भी दी जाएगी।

4. स्विस मिश्रित वित्तीय सहायता, 1991 के मद्दे जारी किए गए लाइसेंसों के अंतर्गत केवल पूंजीगत माल और सेवाओं की आपूर्ति तथा स्विस मूल की जानकारी शुल्क के वित्तीय सहायता के पात्र होंगे।

5. आयात व्यापार नियंत्रण आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1984-85 के पैरा 208 और 209 के अंतर्गत ग्रेस अवधि की सुविधा क्रेडिट के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त आयातों पर लागू नहीं होगी।

संविदाकरण :

6. विधिवत रूप से अंग्रेजी भाषा में लिखी और भारतीय आयातक तथा स्विस सप्लायर दोनों के द्वारा हस्ताक्षरित अनन्तिम संविदा को चार प्रमाणीत प्रतिां वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-3 अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के अंदर प्रस्तुत की जानी चाहिए। जहां इस अनुबद्धता का पालन उक्त अवधि में नहीं किया जाता है तो ऐसे मामले में आयात लाइसेंस का पुनःवैधीकरण कराना होगा। आयात लाइसेंस के पुनःवैधीकरण के लिए लाइसेंसधारक को, चार महीने की अनुबद्ध अवधि में संविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहने का कारण देते हुए लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को मूल आयात लाइसेंस के साथ एक आवेदन-पत्र देना चाहिए। आवेदन को एक प्रति साथ-साथ वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (ई ई सी-3 अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को भी सूचना के लिए अप्रेषित की जानी चाहिए। इस प्रकार के आवेदनों पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी गुण-दोष के आधार पर विचार करेंगे और लाइसेंस अधिकतम दो महीनों की अवधि के लिए संविदा करने के लिए पुनः वैध कर दिया जाएगा। इस समय

सीमा से बाहर पुनःवैधीकरण के लिए आर्थिक कार्य विभाग की पूर्व स्वीकृति लेनी आवश्यक होगी।

7. संविदा में सामान्यतः दोनों पार्टियों अर्थात् भारतीय आयातक और स्विस सप्लायर द्वारा हस्ताक्षरित समझौता सन्निहित होगा, अथवा इसमें स्विस सप्लायर द्वारा स्पष्ट शर्तों में भारतीय आयातक और उपको स्वीकृति/गुडि द्वारा स्थापित आवेश सन्निहित होगा।

8. प्रायः विभिन्न प्रावधानों का संशोधन/रिविजन करते हुए दो पार्टियों के मध्य पन्नाचार की श्रेणियों को सन्निहित करने वाली संविदा सामान्यतः स्वीकार नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में एक अंतिम दस्तावेज तैयार करने का परामर्श दिया जाता है जिसमें दोनों पार्टियों द्वारा स्वीकृत और हस्ताक्षरित शर्तें हों।

संविदा की सामान्य शर्तें :

9. अनन्तिम संविदा जहां तक पर्यंत निःशुल्क आधार पर की जाएगी। मूल्य को स्विस फ्रांक में दर्शाया जाए।

10. स्विस आपूर्तिकर्ताओं के भारतीय एजेंट को कमीशन दिया जाएगा। इसे संविदा के मूल्य से अलग दर्शाया जाएगा। भारतीय एजेंट का कमीशन आयातकों द्वारा भारतीय रुपयों में दिया जाएगा लेकिन यह समय-समय पर विद्यमान मुद्रा की केन्द्रीय दर पर संगणित आयात लाइसेंस के कुल मूल्य के मद्दे लगाया जाएगा।

संविदाओं की मूल्य सीमा :

11. प्रत्येक वैयक्तिक संविदा का मूल्य एक सौ हजार स्विस फ्रांक से कम नहीं होना चाहिए।

अन्य शर्तें :

12. स्विस मिश्रित वित्तीय सहायता, 1991 के अंतर्गत किसी संविदा को पात्र बनाने के लिए ऊपर अनुबद्ध शर्तों और संविदाकारों पक्षों द्वारा आवश्यक समझी जाने वाली अन्य बातों से अलग संविदा में निम्नलिखित प्रावधान भी समाविष्ट किए जाने चाहिए :—

1. समझौते के अंतर्गत आयात किए जाने वाले माल मूलतः स्विजरलैण्ड के हों।

2. दो संविदाकारों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि स्विस मिश्रित वित्तीय सहायता, 1991 के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए संविदा भारतीय और स्विस दोनों प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन है। ऐसा अनुमोदन मिलने तक संविदा को अनन्तिम समझा जाएगा।

3. उसमें निर्दिष्ट मूल्य संविदा की अवधि के लिए पक्के हों।

4. निश्चित की गई सुपुर्वगी संविदा में स्पष्टतः निर्दिष्ट होगी। निश्चित की गई सुपुर्वगी में किए गए किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना, तत्काल परिवर्तन के लिए उपयुक्त स्पष्टीकरण देते हुए वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-3 अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए।

प्रचलित गारण्टी (या) :

13. आयातक समझौते में प्रचलित गारण्टी (यों) की व्यवस्था कर सकता है जो उसके हितों की रक्षा करने के लिए आवश्यक होंगे।

संविदा का प्रस्तुतीकरण

14. संविदा समाप्त होने के एक महीने के अंदर आयातक को, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-3 अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को एक पत्र निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजना चाहिए :-

1. अनन्तिम संविदा की चार प्रमाणित प्रतियां जो विधिवत अंग्रेजी भाषा में लिखी हों और भारतीय आयातक तथा स्विस् सप्लायर दोनों के द्वारा हस्ताक्षरित हों।
2. आयातक द्वारा उसे प्रस्तुत किए गए आर्डर के निष्पादन की तारीख को संविदा करने वाले बैंध आयात लाइसेंस की फोटो प्रति,
3. उपाबन्ध-1 में निर्धारित अन्य दस्तावेज

संविदा पर आगे कार्रवाई केवल आयातक द्वारा इन सभी दस्तावेजों के प्रस्तुत करने के बाद की जाएगी।

संविदा की अधिसूचना :

15. यदि संविदा पूर्ण है, दस्तावेज आदि, सही रूप में हैं और आयात लाइसेंस संविदा के लिए बैंध है, तो उसे भारत में स्विटजरलैण्ड दूतावास, नई दिल्ली के माध्यम से स्विस् प्राधिकारियों को आर्थिक कार्य विभाग द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।

16. संविदा तभी से प्रभावी मानी जाएगी जब स्विस् प्राधिकारियों से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद आर्थिक कार्य विभाग आयातक को इस आशय का पत्र जारी करें।

17. आर्थिक कार्य विभाग और स्विस् प्राधिकारियों के अनन्तिम संविदा के अनुमोदन के बाद अन्तिम संविदा तैयार को जानी चाहिए और इसकी तीन प्रतियां यथाशीघ्र वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई.ई.सी.-3 अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-110001 को अग्रेषित करनी चाहिए।

भुगतान शर्तें :

18. कोई साखपत्र तब तक नहीं खोला जाएगा जब तक कि आयातक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से

इस आशय का पत्र प्रस्तुत नहीं करता है कि भारत सरकार और स्विस् प्राधिकारियों दोनों के अनुमोदन के बाद संविदा प्रभावी हो गई है।

19. आयातक, संविदा मूल्य की आपूर्ति के 10 प्रतिशत के लिए जिसमें से मिश्रित वित्त पोषण के अधीन 10 प्रतिशत लौटा दिया जाएगा, भारत में मान्यता प्राप्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगा और स्विस् निर्यातक द्वारा यथा नामित स्विस् निर्यातक के पत्र में स्विस् बैंक से इस पर परामर्श लेगा। यह साखपत्र आयातक द्वारा भारत सरकार और स्विस् सरकार से आपूर्ति संविदा के अनुमोदन की पुष्टि प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर खोला जाएगा। भारतीय बैंकों द्वारा आयात लाइसेंस की बैंधता की अवधि से अधिक अवधि के लिए कोई साखपत्र नहीं खोला जाएगा।

20. साखपत्रों के खोलने और सूचित करने से सम्बन्धित सभी व्यय और दलाली आयातकों द्वारा वहन की जाएगी।

21. सभी आपूर्ति संविदाओं और साखपत्रों में यह बताने वाली धारा शामिल होगी कि “भारतीय स्विस् वित्तपोषण” के अधीन निर्यात का वित्त-पोषण शत-प्रतिशत तक किया जाएगा।

22. इसके अतिरिक्त, सभी पत्रों में निम्नलिखित धारा शामिल होगी :

“इसे साखपत्र के अधीन सभी भुगतान इस साखपत्र पर सलाह देने वाले स्विस् बैंक द्वारा भारतीय स्विस् मिश्रित वित्तपोषण से किए जाएंगे”।

23. शत प्रतिशत भुगतान स्विस् बैंकों द्वारा किया जाना है, इसलिए सामान्य साख पत्र में पुनः अदायगी धाराएं जारी होने के समय हटा दी जानी चाहिए। आयातक को यह निश्चित करना चाहिए कि स्विस् मिश्रित वित्त पोषण, 1991 के अधीन साखपत्र खोलने की शर्तें साखपत्र जारी करने वाले भारतीय बैंक के नोटिस में लाए ताकि साख पत्र (जिसे उद्देश्य मूलक दस्तावेज समझा जाए) के मद्दे भारतीय बैंक द्वारा किए जाने वाले भुगतान से बचा जा सके।

24. भुगतान साखपत्र में नामित स्विस् बैंक द्वारा निम्नानुसार किया जाएगा :-

(क) सक्षम प्राधिकारियों द्वारा आपूर्ति संविदा के अनुमोदन के बाद 30 दिनों के भीतर साखपत्र खोलने के तुरन्त बाद निम्नलिखित अनुसार, मिश्रित वित्त पोषण के अधीन तत्काल अदायगी के रूप में आपूर्ति संविदा मूल्य का 5 प्रतिशत।

(ख) आपूर्ति संविदा मूल्य के 10 प्रतिशत के बराबर साखपत्र के तहत संगत दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के मद्दे मिश्रित वित्त पोषण के अधीन अदा किए गए आपूर्ति संविदा मूल्य यथानुपात सुपुर्वगी सेवा प्रदान करना/जानकारी शुल्क का 95 प्रतिशत।

25. भाड़े/श्रीमे के लिए मुक्त विदेशी मुद्रा को निर्मुक्त करने के लिए आयातक पोतलदान की तारीख से एक महीना या इससे पहले आर्थिक कार्य विभाग से सम्पर्क करेगा। किंसा भी हालत में इस मुद्रा को रिलीज और पोतलदान का तारीख के बाव का अन्तराल तान महानों से अधिक नहीं होना चाहिए।

पोतलदान पूरा करो के लिए आयात लाइसेंसों का पुनर्विधो-करण

26. पोतलदानों को पूरा करने हेतु आयात लाइसेंसों के पुनर्विधोकरण के लिए त्विदा और उपर्युक्त परवर्ती पैराग्राफ 12(4) में निविष्ट सुपुर्वगी अनुपुची पर उचित ध्यान दिया जाएगा। तथापि, ऐसे मामलों पर कड़ी निगाह रखी जाएगी जहां मांगी गई पुनर्विधोकरण की अवधि भाड़े/बामा प्रभार का अवधायी के लिए विदेशी मुद्रा रिलीज करने की तारीख से तीन (3) माह से अधिक की हो।

ब्याज का भुगतान :

27. स्विटजरलैण्ड का यूनियन बैंक निरपवाद रूप से मूल पराक्राम्य पोत परिवहन तथा अन्य दस्तावेज भारत में संबंधित आयातक के बैंक को भेजेगा जिसे संबंधित आयातक को पराक्राम्य दस्तावेज के वे सेंट यह सुनिश्चित करने के बाव ही रिलीज कर देने चाहिए कि आयातक ने निम्नलिखित को जमा कर दिया है :

(1) संभरक को चालू मिश्रित विनिमय दर पर किए जाने वाले भुगतानों के बराबर रुपए जिसकी गणना मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्व-जनिक सूचना सं. 113-आईटीसी (पीएन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में यथा-निर्धारित तरीके से या मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के जरिये या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण परिपत्रों के जरिये समय-समय पर सरकार द्वारा यथा अधिसूचित तरीके से की गई हो।

(2) ब्याज की गणना क्रमशः सार्वजनिक सूचना सं. 31 और 35-आईटीसी (पीएन)/83 दिनांक 10-8-1983 तथा 26-8-1983 के अनुसार प्रथम 30 दिनों के लिए 12% प्रति वर्ष को दर से और 30 दिनों से अधिक की अवधि के लिए 10% की दर से या उपर्युक्त मद सं. (1) के तहत जमा की जाने वाली अपेक्षित धनराशि के संबंध में समय-समय पर यथा अधिसूचित दरों पर की जाएगी जिसका हिसाब स्विटजरलैण्ड के यूनियन बैंक द्वारा संभरक को वास्तविक भुगतान करने की तिथि से लेकर आयातक द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में रुपये के बराबर वास्तविक धनराशि जमा करने (जिसमें दोनों दिन शामिल हैं) की तारीख तक लगाया जाएगा।

(3) ब्याज के भुगतान हेतु ये उपाबंध ऐसे आयातों पर लागू नहीं होते हैं जो राज्य सरकार के विभागों और केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा स्विटजरलैण्ड का मिश्रित वित्त सहायता 1991 के अंतर्गत किए गए हों।

28. संबंधित भारतीय बैंक को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी होगी कि देय धनराशि आयातक को आयात दस्तावेज सौंपने के पहले ही सरकारी खाते में सही-मही जमा कर दी जाए। आयातक को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देय धनराशि उनके बैंकरो से दस्तावेज की सुपुर्वगी लेने के पहले सरकारी खाते में सही-सही जमा करा दी जाए।

29. आयातकों (जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और केन्द्र/राज्य सरकार के विभाग शामिल हैं) को केवल प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से विदेशी मुद्रा में अपेक्षित धनराशि जमा करनी चाहिए तथा उनसे सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पीएन)/68 दिनांक 30-8-1969 में यथा अपेक्षित लाइसेंस की मुद्रा नियंत्रण प्रति को पृष्ठांकित करवा लेनी चाहिए। संबंधित बैंक द्वारा अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजा जाएगा।

30. पैरा 27 में उल्लिखित धनराशि केवल भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, नई दिल्ली या भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली में ही निम्नलिखित लेखा शीर्ष के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के खाते के नामे जमा किया जाना चाहिए:—

"ए-डिपोजिट्स एण्ड एडवान्स—डिपोजिट नाट बेयरिंग इन्टरेस्ट-8443—सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिटस फार परचेजिज एटसेट्रा एन्नाड—परचेजिज एटसेट्रा अण्डर स्विस् मिक्स्ड फाइ-नेसिंग, 1991"। सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 में निर्धारित चालान प्रपत्र में धनराशि जमा की जानी चाहिए।

31. आयातक के बैंक द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली से रसीदी चालान की एक प्रति या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में डिमाण्ड ड्राफ्ट प्रस्तुत करने के बाद में सूचना एक अप्रेषण पत्र के साथ सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जनपथ भवन, पॉचवां तल, बी-विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए जिसमें स्विजरलैण्ड के यूनियन बैंक से प्राप्त सूचना टिप्पणियों, प्राधिकार पत्र सं., विदेशी मुद्रा, जिसमें रुपया जमा कराया जाना है, की राशि, संभरक को अदायगी की तारीख तथा ब्याज की राशि का पूरा न्यौरा दिया हो।

रिपोर्ट प्रस्तुत करना :

32. आयात लाइसेंस की उपयोगिता स्थिति को दर्शाने वाली एक मासिक रिपोर्ट, जैसा कि उपाबंध-3 में दी गई है, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियंत्रक का कार्यालय), जनपथ भवन, नई दिल्ली-110001 को भेजी जानी चाहिए।

विविध

33. भारत सरकार ऐसे विवादों, यदि कोई हों, का कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी जो भारतीय आयातक और स्विटजरलैण्ड के संभरक के बीच उत्पन्न हों।

34. भारतीय आयातक को आयात लाइसेंस से संबंधित या उठने वाले किसी या सभी मामलों के बारे में समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए किसी निर्देश, अनुदेशों या आदेशों का शीघ्रता से अनुपालन करना होगा।

35. इसमें निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 तथा इसके अंतर्गत जारी किए गए आदेशों के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

(पैरा 14 देखें)

उपाबंध-1

(दो प्रतियों में)

सेवा में,

सचिव,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
ई ई सो-3 अनुभाग,
नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।

विषय :— स्विटजरलैण्ड की मिश्रित वित्त सहायता, 1991 के अन्तर्गत आयात।

सेवा में,

स्विटजरलैण्ड की मिश्रित वित्त सहायता, 1991 के अन्तर्गत स्विटजरलैण्ड से के आयात के संबंध में हम निम्नलिखित ब्यौरा प्रस्तुत करते हैं :—

(माल या सेवाओं का संक्षिप्त विवरण)

1. आयात लाइसेंस का ब्यौरा

(क) संख्या

(ख) निर्गम को तारोख तथा पुनर्वैधोकरण, यदि कोई हो, को तारोख और वैधता अवधि।

(ग) मूल्य।

2. क्या ठेका आयात लाइसेंस की वैधता अवधि के भीतर सम्पन्न किया गया। यदि नहीं, तो इसके कारण बताएं।

3. भारतीय आयातक का नाम और पता

4. स्विटजरलैण्ड के संभरकों के नाम और पते

5. स्विस् फॉक में ठेके का मूल्य

6. आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण

7. इन लाइसेंसिंग शर्तों के उपाबंध-2 में बताए गए अनुसार इस आवेदन पत्र के अन्तर्गत आयातकों के लिए औचित्य का ब्यौरा।

8. सुपुर्दगी की अनुसूची—सुपुर्दगी पूरी होने को संभावित तिथि

9. ठेके में शामिल भारतीय एजेंट का कपीशन, यदि कोई हो।

10. बैंक को गारंटी (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों को छोड़कर अन्य सभी आयातों के लिए)।

2. अस्थायी ठेके की चार सत्यापित प्रतियां (या आर्डर और स्वाकृति पत्र की पुष्टि/संभरक की पुष्टि) संशोधन (यदि कोई हो) को एक प्रति तथा आयात लाइसेंस की एक फोटोस्टेट प्रति संलग्न है।

3. आपसे अनुरोध है कि ठेके का स्विटजरलैण्ड की मिश्रित वित्त सहायता 1991 के अन्तर्गत वित्त सहायता के अनुमोदन हेतु स्विटजरलैण्ड के प्राधिकारियों को भेजा दें।

भवदीय,

टिप्पणी :— निर्जी क्षेत्र के आवेदन पत्र आई सो आई सी आई बम्बई के माध्यम से भेजे जाने चाहिए।

उपाबंध-2

(दो प्रतियों में)

परियोजना प्रस्ताव में निम्नलिखित पर विस्तृत सूचना, यदि उपलब्ध हो, शामिल की जाए :—

1. क्षेत्रीय ढांचा

—क्षेत्र का विवरण : अर्थव्यवस्था में स्थिति और भूमिका; क्षेत्रीय विकास, संगठन और ढांचे को प्रभावित करने वाली प्रमुख समस्याएं; वर्तमान और भविष्य में उत्पादन, प्राथमिकताएं और निवेश कार्यक्रम; परियोजना का समाकलन;

—बाजार के विवरण, विगत, वर्तमान की और संभावित आपूर्ति तथा मांग; परियोजना के लिये बाजार दूर-वर्षिता;

—वितरण और विपणन

... अन्य ढांचा और विकास

2. सार्वजनिक/निजी उद्यम

—समग्र स्थिति; स्थान और स्थल, मालिकाना, प्रशासनिक ढांचा, संगठन, मौजूदा प्रबन्धन और स्टाफ, औद्योगिक/आर्थिक क्षेत्र में स्थिति;

—उत्पादन: अचल सम्पत्ति; उत्पादन के लिए उपलब्ध उपस्कर(उद्गम, क्रय तारीख, त्रिशिष्टि) उत्पादन प्रक्रिया, उत्पाद (वार्षिक उत्पादन, उत्पादन लागत, विक्रय मूल्य), बिक्री और यूनिट मूल्य (स्थानीय बाजार, निर्यात) के ऐतिहासिक आंकड़े; कच्चे माल की आपूर्ति (स्थानीय अधिप्राप्ति और आयात मात्रा, गुणवत्ता);

—पिछले पांच वर्षों के दौरान की वित्तीय स्थिति; सकल उत्पादन मूल्य; सकल उत्पादन लागत; सकल राजस्व; निबल आय का वितरण; विदेशी मुद्रा अर्जन;

—आगामी वृद्धि को प्रभावित करने वाला प्रमुख समस्याएं;

3. परियोजना के मूलभूत पहलू

—परियोजना की पृष्ठभूमि और इतिहास

—परियोजना के उद्देश्य और मूलाधार

—परियोजना का तकनीकी ब्यौरा, प्रस्तावित निवेश पूंजी, उपस्कर और प्रौद्योगिकी, विद्यमान उत्पादन प्रक्रिया में एकरूपता; तैयारी का चरण (संभरक के साथ तकनीकी संचर्ण, यदि कोई हों) पूंजी निवेश की लागत (संबंधक, स्थानीय और विदेशी मुद्रा लागत द्वारा), कच्चे माल और मध्यावर्ती माल की उपलब्धता;

—परियोजना के लिए प्रौद्योगिकी और डिजाइन का विश्लेषण; प्रौद्योगिकी (उपयुक्तता, अर्थ-व्यवस्था और राष्ट्रीयता) उपस्कर (किस्में और मात्रा, चयन का विचार, विकल्पों, वसूली पद्धति का मूल्यांकन);

—बाजार स्थिति और उत्पादन परिमाण का विश्लेषण (घरेलू/अन्तर्राष्ट्रीय मांग, मांग में अन्तर, कच्चे और संसाधित माल की आपूर्ति, उत्पादन का मापदण्ड);

—रोजगार प्रभाव, रोजगार पर असर, प्रशिक्षण आवश्यकताओं और सुविधाओं का विश्लेषण;

—पर्यावरण संबंधी प्रभाव, पर्यावरण संबंधी प्रभावों का सर्वेक्षण; पर्यावरण संबंधी प्रबंधकाय विकल्पों, पर्यावरण संबंधी मानिटरिंग पद्धति, कार्यान्वयन योजना का विश्लेषण;

—अधिप्राप्ति ठेका फर्मों (स्विस अथवा इससे इतर) स्विस;

—उपस्करों के चयन का कारण गुणवत्ता और मूल्यों के अनुरूप लागत प्रभावशीलता अधिप्राप्ति निर्णय ।

4. परियोजना का वित्तीय विश्लेषण

—उपस्कर और वित्तीय योजना का मूल्य स्थानीय और आयातित मर्दे, उपस्कर लागत, आवर्ती लागत, प्रचालन और रखरखाव लागत, स्थानीय और विदेशी ऋण सेवा;

—परियोजना का वित्तीय उत्पादन की दर;

—विचारित विकल्पों का अति लागत प्रभावी हल;

—वित्तीय लागत लाभ विश्लेषण; परियोजना का लाभ, लागत बचतें ।

5. परियोजना का सामाजिक-आर्थिक उपादेयता

—आर्थिक और सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण

—उत्पादन की आर्थिक दर

—रोजगार प्रभाव

—विदेशी मुद्रा का प्रभाव

—क्षेत्रीय विकास का प्रभाव

6. परियोजना का निष्कर्ष

—परियोजना के प्रमुख लाभ

—परियोजना के प्रमुख दोष

—कार्यान्वयन के अवसर

उपाध्व-3

स्विटजरलैण्ड की मिश्रित वित्त सहायता, 1991 के संबंध में उपयोगिता रिपोर्ट का प्रपत्र ।

(प्रत्येक लाइसेंस के संबंध में अलग-अलग भरा जाना है)

1. आयातक का नाम

2. आयात लाइसेंस की संख्या और तारीख

3. आयात लाइसेंस का मूल्य

4. दिए गए आर्डर का मूल्य

5. दिए जाने वाले आर्डरों का मूल्य

6. पहले से दिए गए आर्डरों के लिए किया गया भुगतान ।

7. वे भुगतान जो अभी किए जाने बाकी हैं (मूल्यों सहित भुगतान का त्रैमासिक अनुमान और भुगतान को संभावित तारीख)

8. परिन्याग, यदि कोई हो ।

आयातक के प्राधिभूत अधिकारों के हस्ताक्षर

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 236-ITC(PN)|90-93

New Delhi, the 24th October, 1991

Subject: Licensing conditions for import under the Swiss Mixed Financing 1991 of Swiss Franc 100 million—regarding.

File No. IPC|23(85)|90-93.—The terms and conditions governing imports under the Swiss Mixed financing 1991 of Swiss Francs 100 million are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller
Exports & Imports

Appendix to the Ministry of Commerce

Public Notice No. 236 ITC(PN)|90-93, Dated 24-10-1991.

Conditions for Licensing Imports under the Swiss Mixed Financing, 1991 Franc 100 million.

The Import Licences issued under the Swiss Mixed Financing, 1991 will be subject to the following conditions :—

1. Import Licences will be issued on c.i.f. basis with an initial validity period of four months for contracting and will normally have twelve months for completing shipments as well as payments. The issue of Import Licences with a longer initial validity period of upto 18 months for completing shipments, as well as payments will, however, be considered on merits if the importer is in a position, when applying for the import licence to produce adequate documentary evidence to establish the need for import licence with a longer validity period. Subsequent revalidations of import licences for completion of shipments will be regulated as per conditions in paragraph 26 below.

2. Each Import Licence will bear a superscription "Swiss Mixed Financing, 1991". The suffix in the Licence Code classification number will be "R|SZ".

3. Within a fortnight of the receipt of the Import Licences, the importer will intimate to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC.III Section), North Block, New Delhi-110001 the fact of the receipt of the Import Licence and the likely date by which the contract documents would be furnished. A photostate copy of the Import Licence will also be furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC.III Section), North Block, New Delhi-110001.

4. Only Capital Goods and supply of services as well as the financing of know-how fees of Swiss origin will be eligible under the licences issued against the Swiss Mixed Financing, 1991.

5. The grace period facility under paras 208 and 209 of the Import Trade Control Hand Book of Import-Export Procedures 1984-85 will not be applicable imports financed under this credit.

CONTRACTINGS :

6. Four certified copies of the provisional contract, duly executed in English Language and signed by both the Indian Importer and the Swiss Supplier, must be furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC.III Section), North Block, New Delhi-110001 within four months from the date of issue of the Import Licence, where this stipulation is not complied within the said period, the import licence will have to be revalidated. For revalidation of the Import Licence, the licensee holder should submit an application alongwith the import licence in original to the licencing authorities giving reasons for failure to submit the contract documents within the stipulated period of four months. A copy of this application should also be forwarded simultaneously to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC.III Section), North Block, New Delhi-110001 for information. Such applications would be considered by the licencing authority, on merits and the licence will be revalidated for contracting for a further period not exceeding two months. Any revalidation beyond this period will require the prior approval of the Department of Economic Affairs.

7. A contract will normally comprise an agreement signed by both the parties; viz., the Indian importers and the Swiss Supplier, or it may comprise the order placed by the Indian importer and the acceptance confirmation thereof in unequivocal terms by the Swiss supplier.

8. A contract comprising a series of correspondence between the two parties frequently amending/revising the various provision will not normally be accepted. In such cases it is advisable to prepare a final document including the terms agreed to by both the parties and signed as such.

GENERAL TERMS OF CONTRACT :

9. The provisional contract should be placed on FOB basis. The value should be expressed in Swiss France.

10. A commission is to be paid to the Indian Agent of the Swiss suppliers. It will be shown separately from the value of the contract. The Indian Agent's commission will be paid in Indian rupee by the importers but will be set off against the total value of the Import Licence, calculated at the Central rate of exchange prevailing from time to time

Value limits of Contracts :

11. The value of each individual contract should not be less than one hundred thousand Swiss France.

Other Conditions :

12. To make a contract eligible for financing under the Swiss Mixed financing, 1991, the following provisions, apart from the conditions stipulated above, as also any others considered necessary by the contracting parties, should also be incorporated in the contracts :—

- (i) the goods to be imported under the contract are of Swiss origin,
- (ii) the two contracting parties agree that the contract is subject to the approval of both the Indian and Swiss authorities for financing under the Swiss Mixed financing, 1991. Till such approval is given, the contract is to be treated as provisional;
- (iii) the prices indicated therein are firm for the duration of the contract;
- (iv) the delivery schedule will be indicated in the contract clearly. Any change in the delivery schedule will be promptly reported to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-III Section), New Delhi-110001 with the suitable explanation for the change.

Customary Guarantee(s)

13. The importer may arrange and provide for in the agreement Customary Guarantee (s) which will be necessary for safeguarding his interest.

Submission of Contract

14. Within a month of the conclusion of the contract the importer should send a letter accompanied by the following documents to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC, III Section), North Block, New Delhi-110001.

- (i) Four certified copies of the provisional contract duly executed in English language and signed by both the Indian importer and the Swiss supplier;
- (ii) Photostat copy of the Import Licence valid for contracting on the date of execution, of the order placed on him by the importer; and
- (iii) Other particulars stipulated in Annexure-I.

The contract will be processed further only after all these documents have been furnished by the importer.

Notification of the Contract

15. If the contract is complete, the documents, etc. are in order and the import licence is valid for contracting, the same will be notified by the Department of Economic Affairs to the Swiss authorities through the Embassy of Switzerland in India, New Delhi.

16. The contract will be deemed to have become effective only when the Department of Economic Affairs after receiving the approval of the Swiss authorities, has issued a letter to the importer to that effect.

17. After approval of the provisional contract by the Department of Economic Affairs and the Swiss authorities the final contract should be drawn up and three copies of the same forwarded to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-III Section), North Block, New Delhi-110001 as soon as possible.

Payment Terms :

18. No letter of Credit will be opened unless the importer produces a letter from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs to the effect that the contract has been made effective after the approval of both the Government of India and the Swiss authorities.

19. The importer shall open said irrevocable letter of credit by a recognised Public sector bank in India and have it advised through one of the Swiss Banks as designated by the Swiss Exporter in favour of the Swiss Exporter, for 10 per cent of the total supply contract value whereby 10 per cent will be disbursed under the mixed financing. This letter of credit shall be opened by the Importer within 30 days after having received confirmation that the supply contract has been approved by Government of India and the Swiss Government. No letter of Credit will be opened by the Indian Banks for period longer than the period for which the import licence is valid.

20. All costs and commissions in connection with the opening and advising of the letters of credits are to be borne by the Importer.

21. All supply contracts and letters of credit shall include a clause stating that the financing of the export shall be made to the extent of 100 per cent under the 'Indian Swiss Mixed financing'.

22. In addition, all letters of credit shall include the following clause: "All payments under this letter of credit are to be effected out of the Indian-Swiss Mixed Financing by the Swiss Bank advising this letter of credit".

23. As 100 per cent payment is to be made by the Swiss Bank, the reimbursement clauses in the normal bank Letter of Credit should be deleted at the time of issue. The importer should ensure that the terms and conditions of opening a Letter of Credit under Swiss Mixed Financing, 1991, are brought to the notice of the Indian bank issuing the letter of Credit to avoid payments being made by the Indian Bank against the Letter of Credit, (which is to be treated as a national document).

24. Payment shall be effected by the Swiss Bank designated in the letter of Credit as follows :—

- (a) 5 per cent of the supply contract value as down payment disbursed under the mixed financing within 30 days after approval of

the supply contract by the competent authorities, at the earliest upon opening of the letter of credit as mentioned below.

- (b) 95 per cent of the supply contract value pre-rate delivery/rendering of services know-how fees, disbursed under the mixed financing against presentation of the relevant documents under the letter of credit amounting to 10 per cent of the supply contract value.

25. For the release of free foreign exchange on account of freight/insurance, the importer will approach the Department of Economic Affairs a month or so in advance of the date of shipment. In no case the gap between this release and the date of shipment should exceed three months.

Revalidation of Import Licences for completion of shipments :

26. For revalidation of Import Licence for completion of shipments due regard will be given to the delivery schedule indicated in the contract and the subsequent paragraph 12(iv) above. A strict view will, however, be taken in cases where the revalidation sought is for a period beyond three (3) months from the date of release of foreign exchange for payment of the freight/insurance charges.

Payment of Interest :

27. The original negotiable shipping and other documents will invariably be forwarded by the Union Bank of Switzerland to the concerned importer's Bank in India who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the importer has deposited :

- (i) The rupee equivalent of the payments made to the supplier at the prevailing composite rate of exchange to be calculated in the manner as prescribed in Chief Controller of Imports and Exports Public Notice No. 113-ITC(PN)/88—91 dated 6-4-1989 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through exchange central circulars of the Reserve Bank of India.
- (ii) interest calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent for the period in excess of 30 days in terms of Public Notice No. 31 and 35—ITC(PN)/83 dated 10-08-1983 and 26-08-1983 respectively or at the rates as may be notified from time to time and or the amount required to be deposited vide item No. (i) above, reckoned from the date of actual payment to the supplier by the Union Bank of Switzerland to the date of actual deposit (both days inclusive) of the rupee equivalent by the importer in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi.

- (iii) The provisions for payment of interest are not applicable to imports made under the Swiss Mixed Financing 1991 by State Govt. Departments and Central Government Departments.

28. It shall be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importer. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

29. The importers (including Public Sector Undertakings and Departments of the Central/State Government) should make the requisite Rupee deposit only through Authorised Dealers in Foreign Exchange and also get the Exchange Central copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184—ITC(PN)/68 dated the 30-8-1969. The requisite 'S' form will be sent by the concerned bank to the Reserve Bank of India, Bombay.

30. The moneys specified in para 27 should be deposited only with the State Bank of India, Tis Hazari New Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi to the credit of the Central Government account under the Head of Account :—

“A—Deposits and Advance—Deposit not bearing interest—3443—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchases etc. under Swiss Mixed Financing 1991”. The deposit should be made in the challan form prescribed in Public Notice No. 74—ITC(PN)/74 dated 31-05-1974.

31. One copy of the receipt challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi should be sent by importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Jannath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001 alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Union Bank of Switzerland, Letter of Authority No., amount of foreign currency to which Rupee deposit is made, date of payment to the supplier and amount of interest.

Submission of Report :

32. A monthly report, as in Annexure—III showing the utilisation status of the import licence should be furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Office of the Controller of Aid Accounts and Audit) Jannath Bhawan, New Delhi-110001.

Miscellaneous :

33. The Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, which may arise, between the Indian importer and the Swiss supplier.

34. The Indian importer shall promptly comply with any direction, instruction, or orders issued by Government from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence.

35. Any breach or violation of any of the conditions prescribed herein will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 and orders issued thereunder.

ANNEXURE—I

(in duplicate)

(Reference para 14)

To

The Secretary
Ministry of Finance
Deptt. of Economic Affairs
EEC, III Section
North Block,
New Delhi-1

Subject : Imports under the Swiss Mixed Financing 1991.

Sir,

In connection with the import of.....
(short description of goods or services)

from Switzerland under the Swiss Mixed Financing, 1991, we furnish the following particulars :—

(i) Details of the Import Licence

- (a) Number
- (b) Date of Issue and date of revalidation, if any, and period of validity.
- (c) Value

(ii) Whether contract finalised within the validity period of the Import Licence, if not, reasons for the same.

(iii) Name and address of the Indian Importer

(iv) Name and address of the Swiss suppliers

(v) Value of the contract in Swiss Franc

(vi) Short description of goods to be imported

(vii) Detailed justification for imports under this application as indicated in Annex. II of these licensing conditions.

(viii) Schedule for deliveries—expected date of completion of delivery

(ix) Indian Agent's commission, if any, included in the contract

(x) Bank guarantee (for all importers other than Public Sector Undertakings and Government Departments).

2. Four certified copies of the provisional Contract (or confirmation of the order and the letter of acceptance/confirmation from the supplier) and of the amendment (if any), and a photostat copy of the Import Licence are enclosed.

3. You are requested to forward the contract to the Swiss authorities for approval for being financed under the Swiss Mixed Financing, 1991.

Yours faithfully,

Note :—Private Sector application should be routed through ICICI, Bombay.

Project proposals should include detailed information,

if available, are

1. The sectorial framework

- description of the sector : position and role in the economy; major problems affecting sectoral development, organization and structure; present and future output; priorities and investment programme; integration of the project;
- description of the market; past, present and expected supply and demand; market foreseen for the project;
- distribution and marketing;
- price structure and development.

2. The Public/private enterprise :

- overall situation; location and site, ownership, administrative structure; organization; existing management and staff, position in the industrial/economic sector;
- production; fixed asset; equipment available for production (origin, purchase date, specification); production process; products (yearly output, production cost, sales prices); historical data on Sales and unit prices (local market, export); supply of raw materials (local procurement and import quantities, quality);
- financial situation during the last five years; gross output value; gross production cost; gross revenues; distribution of net income; foreign exchange earnings;
- major problems affecting further growth.

Prepage :

3. The basic aspects of the project

- background and history of the project;
- objectives and rationale of the project;
- technical description of the project; proposed investment; equipment and technology; integration into existing production process; stage of preparation (technical discussions with supplier, if any); cost of investment (by component, local and foreign currency costs); availability of raw materials and intermediate goods;
- analysis of technology and design for the project; technology (suitability, economy and nationality); equipment (types and quantities, consideration of choice, evaluation of alternatives, procurement procedure);

- analysis of market situation and production scale (domestic/international demand, domestic/international supply, demand gap, supply of raw and processed material, scale of production);
- analysis of the employment impact; effect on employment, training requirements and facilities;
- analysis of the environmental impact; survey of the environmental impacts; environmental management alternatives; environmental monitoring system; implementation plan;
- Procurement contracted firms (Swiss or foreign), reason for choice of Swiss equipment; cost effectiveness in terms of quality and prices; procurement decision.

4. The financial analysis of the project :

- cost of equipment and financial plan; local and imported items; equipment costs, recurring costs, operating and maintenance costs; local and foreign debt service;
- financial rate of return of the project;
- most cost effective solution of considered alternatives;
- financial cost benefit analysis, benefits of the project, cost savings.

5. The social-economic profitability of the project:

- economic and social cost benefit analysis;

- economic rate of return;
- employment impact;
- foreign currency impact;
- regional development impact.

6. The conclusion of the project:

- major advantages of the project;
- major disadvantages of project;
- changes of implementation.

Form of Utilisation report in respect of Swiss Mixed financing, 1991.

(to be furnished separately in respect of each licence)

1. Name of the Importer.
2. Number and date of Import Licence.
3. Value of the Import Licence.
4. Value of the Order placed.
5. Value of orders yet to be placed.
6. Payments made against the orders already placed.
7. Payments yet to be made (with a quarterly estimate of payments with values and anticipated date of payment).
8. Surrenders, if any.

Signature of the authority
Officer of the Importer.

